राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर ,बुधवार , 20 मई 2026
वर्ष 14,अंक 41, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

दो दिन से लापता अधेड़ का नहर में मिला शव, क्षेत्र में फैली सनसनी...03

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान ने सऊदी में JF-17 और हजारों सैनिक किए तैनात...04

AAP की तानाशाही के खिलाफ भाजपा का हुंकार, लोकतंत्र को कुचलने वालों को जनता देगी करारा जवाब : तरुण चुग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आज बटाला में आम आदमी पार्टी की तानाशाही और लोकतंत्र विरोधी रवैये के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भगवंत मान सरकार पर निगम चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जानबूझकर और अवैध तरीके से रद्द करवाने का गंभीर आरोप लगाया। तरुण चुग ने कहा कि 'आप' सरकार ने बटाला, बरनाला और मोगा के निगम चुनावों में भाजपा के कुल 21 उम्मीदवारों के पर्चे थोक के भाव रद्द करवाए। यह कोई संयोग नहीं बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जिसका मकसद चुनावी मैदान से भाजपा को बाहर करना है। उन्होंने कहा कि जिन वार्डों में भाजपा परंपरागत रूप से मजबूत रही है, ठीक उन्हीं क्षेत्रों के उम्मीदवारों को निशाना बनाया गया है। चुग ने बताया कि महिला उम्मीदवारों के साथ भी घोर अन्याय हुआ। एक मामले में तो शिकायतकर्ता ने खुद अपनी शिकायत वापस ले ली, फिर भी आप सरकार ने उस महिला भाजपा प्रत्याशी का नामांकन रद्द कर दिया – केवल इसलिए कि उस वार्ड में आप का कोई प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार नहीं था। उन्होंने कहा कि जो सरकार महिला दिवस पर महिला सम्मान के बड़े-बड़े दावे करती है, वही सरकार चुनाव मैदान में महिलाओं के लोकतांत्रिक अधिकार छीन रही है – यह 'आप' का असली चेहरा है। तरुण चुग ने कड़े शब्दों में कहा कि भगवंत मान सरकार लोकतंत्र की आत्मा को रौंद रही है। चुनाव एक संवैधानिक प्रक्रिया है, न कि आप की निजी जागीर। जो चुनाव अधिकारी इस गंदी राजनीति के हथियार बने हैं, उनके खिलाफ भी भाजपा उचित कार्रवाई करवाएगी। चुग ने 'आप' सरकार को उसकी खोखली गारंटियों पर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने स्वास्थ्य क्रांति का वादा किया था – लेकिन साढ़े 52 महीने बीत जाने के बाद भी एक भी नया अस्पताल नहीं बना, एक भी वार्ड नहीं बना। शिक्षा क्रांति का वादा था – एक भी नया स्कूल नहीं बना, बच्चों को सर्दियों में स्वेटर तक नहीं मिले, किताबें नहीं पहुंचीं। बहनों को हर महीने 1000 रुपये देने की गारंटी दी थी – आज पंजाब की हर बहन के नाम 52,000 रुपये का बकाया चढ़ चुका है, एक रुपया भी जेब में नहीं आया। 10 लाख रुपये के मेडिकल बीमे का ढिंढोरा पीटा – लेकिन असल में डिब्बे पर 10 लाख लिखा, अंदर माल एक लाख का। चुग ने खुली चुनौती दी कि पंजाब में एक भी ऐसा व्यक्ति सामने लाओ जिसे 10 लाख का बीमा मिला हो। केंद्र सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन के तहत पंजाब के सभी अस्पतालों में X-ra4 मशीनें बदलने और प्रयोगशालाएं अपग्रेड करने के लिए पैसा भेजा – AAP सरकार ने वह पैसा अपनी तस्वीरों के बैनर बनाने में उड़ा दिया। चुग ने कहा कि आप सरकार ने अपने चार साल के राज में पंजाब को चार अभिशाप दिए – गैंगस्टर, रंगदारी, लूट माफिया और भ्रष्टाचार। बटाला जो कभी पंजाब की तरक्की का इंजन था, आज गैंगस्टरों की वजह से पिछड़ गया है। पुलिस स्टेशनों पर 22 बम धमाके हो चुके हैं, बी.एस.एफ. पर हमले हो चुके हैं, पुलिस मुख्यालय पर रॉकेट दागे गए, गुरुद्वारों और मंदिरों को निशाना बनाया गया – लेकिन भगवंत मान के पास जवाब नहीं। इससे भी शर्मनाक यह है कि 'आप' के मंत्रियों और विधायकों ने अपने-अपने घरों में 'टॉर्चर सेंटर' बना लिए हैं, जहां अधिकारियों को बुलाकर डरा-धमकाकर फाइलें साइन करवाई जाती हैं। चुग ने यह भी खुलासा किया कि भगवंत मान अपने विदेश दौरे पर जिन दो व्यक्तियों को साथ ले गए – उनमें से एक स्वाती मालीवाल पर हमले का दोषी है और दूसरे पर पंजाब से 100 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज है। उन्होंने एलान किया कि भाजपा इन सभी अवैध रिजेक्शन को अदालत में चुनौती दे रही है और कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं। चुग ने चेतावनी दी कि भगवंत मान जो 'खंभे' पंजाब में गाड़ रहे हैं – चाहे सत्ता के खंभे हों या भ्रष्टाचार के – भाजपा उन सभी को एक-एक करके उखाड़ फेंकेगी। जो सरकार 21 उम्मीदवारों के पर्चे रद्द करके खुद को 'डॉन' साबित करने की कोशिश कर रही है, उसका भी यही हश्र होगा। पंजाब की जनता इस तानाशाही को अब और बर्दाश्त नहीं करेगी।

पहले बहन छीनी, अब उसकी इज्जत' ट्विशा शर्मा के मेजर भाई ने कहा- आरोपी फरार क्यों

मध्य प्रदेश भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में न्याय की आस लगाए बैठे पीड़ित परिवार का दर्द और आक्रोश एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सामने आया है. मृतका के पिता नवीनिधि शर्मा और भाई मेजर हर्षित शर्मा ने मीडिया के सामने आकर न केवल जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए, बल्कि मामले में हो रहे घटनाक्रमों को लेकर गहरा दुख भी व्यक्त किया. इस पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा मृतका के चरित्र हनन कैरेक्टर एसासिनेशन का रहा, जिस पर पिता ने बेहद भावुक और कड़े शब्दों में आपत्ति जताई. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मृतका के पिता नवीनिधि शर्मा ने मीडिया और समाज से संवेदनशीलता बरतने की पुरजोर अपील की. उन्होंने बेहद आहत मन से कहा कि उनकी दिवंगत बेटी, जो अब इस दुनिया में अपने बचाव के लिए मौजूद नहीं है, उसके चरित्र पर खुलेआम कीचड़ उछाला जा रहा है. आरोपियों और कुछ तत्वों द्वारा उसे बदनाम करने की सुनियोजित कोशिशें की जा रही हैं. नवीनिधि शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि किसी मृत व्यक्ति या पीड़िता की इस तरह से 'चरित्र हत्या' करना अपने आप में एक गंभीर कानूनी अपराध है. उन्होंने मीडिया बिरादरी से आग्रह किया कि ऐसे संवेदनशील मामलों में स्वतः संज्ञान लिया जाना चाहिए. मृतका के पिता नवीनिधि शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा रखने की अपील की. उन्होंने कहा कि मामले में न्याय मिलने में देरी इसलिए हो रही है, क्योंकि आरोपी बेहद प्रभावशाली लोग हैं. शर्मा ने बताया कि अदालत में पुलिस ने भी यह स्वीकार किया कि आरोपियों का प्रभाव इतना अधिक है कि उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए. इसी आधार पर एक आरोपी बेटे की जमानत निरस्त हुई, लेकिन दूसरी आरोपी अब भी अग्रिम जमानत मिलने के बाद खुलेआम घूम रही है.

दिवंगत बेटी के चरित्र पर सवाल उठाए जा रहे- पिता

नवीनिधि शर्मा ने मीडिया से संवेदनशीलता बरतने की अपील करते हुए कहा कि उनकी दिवंगत बेटी के चरित्र पर खुलेआम सवाल उठाए जा रहे हैं और उसे बदनाम किया जा रहा है, जो अपने आप में कानूनी अपराध है. उन्होंने कहा कि मीडिया को ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और कोई भी सवाल पूछने से पहले यह सोचना चाहिए कि पीड़ित परिवार पर क्या बीत रही होगी, जब उनकी बेटी की इस तरह चरित्र हत्या की जा रही है. वहीं ट्विशा शर्मा के भाई मेजर हर्षित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जांच प्रक्रिया और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि पुलिस को सबसे पहला कॉल उनके परिवार की ओर से किया गया था, न कि आरोपियों की तरफ से. हर्षित शर्मा ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष यह दावा कर रहा है कि वे ट्विशा को बचाने की जल्दबाजी में थे, लेकिन सामने आए वीडियो में गिरिबाला सिंह बेहद शांत तरीके से सीढ़ियों पर आती-जाती दिखाई दे रही हैं, मानो उन्हें किसी बात की कोई जल्दबाजी ही न हो.

FIR दर्ज करने में 3 दिन लग गए

मेजर हर्षित शर्मा ने कहा कि गिरिबाला सिंह न्यायिक व्यवस्था से पूरी तरह परिचित हैं और उनके घर से महज 30 सेकंड की दूरी पर पुलिस थाना मौजूद था. इसके बावजूद उन्होंने पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी, यह सबसे बड़ा सवाल है. उन्होंने बताया कि उनके परिवार को एफआईआर दर्ज कराने में तीन दिन से ज्यादा का समय लग गया और आखिरकार 15 मई को रात 2:30 बजे एफआईआर दर्ज हुई. हर्षित के अनुसार, इससे पहले ही आरोपी पक्ष ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दाखिल कर दिया था, जिससे पूरा मामला सुनियोजित प्रयास जैसा प्रतीत होता है.

मेरे पिता को कोर्ट में धमकी मिली

उन्होंने अदालत द्वारा गिरिबाला सिंह को 63 वर्षीय प्रतिष्ठित महिला और 'गैर-खतरनाक' मानते हुए राहत दिए जाने पर भी सवाल उठाए. हर्षित शर्मा ने आरोप लगाया कि वही तथाकथित 'गैर-खतरनाक' महिला उनके 61 वर्षीय पिता को कोर्ट परिसर में धमकाने के लिए लोगों को भेज रही है. उन्होंने कहा कि उनके परिवार को धमकियां दी जा रही हैं कि 30 लोग उन्हें पीटेंगे. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक 63 वर्षीय महिला को यह अधिकार किसने दिया कि वह उनकी दिवंगत बहन के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करे और परिवार को डराने की कोशिश करे.

समर्थ सिंह कहां फरार?

मेजर हर्षित शर्मा ने यह भी पूछा कि आखिर समर्थ सिंह कहां हैं और वे फरार क्यों हैं? उन्होंने मीडिया और जांच एजेंसियों से सवाल किया कि इन मुद्दों पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा. साथ ही उन्होंने यह मांग भी उठाई कि मामले में दूसरी पोस्टमार्टम जांच की मांग पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है? हर्षित शर्मा ने कहा कि उनका परिवार केवल निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग कर रहा है.

संक्षिप्त ख़बरें

रील का जुनून पड़ा भारी! ट्रैक्टर पर स्टंट करते-करते पहिए के नीचे आया युवक, पसलियां टूटीं

महाराष्ट्र के सांगली जिले में रील बनाने के दौरान एक युवक ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गया. युवक ट्रैक्टर पर स्टंटबाजी कर रील बनाने की कोशिश कर रहा था. लेकिन ये उसके लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। खेत में जुताई के दौरान चलती ट्रैक्टर पर करतब दिखाने की कोशिश में युवक अचानक संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया. इस भयावह घटना में युवक घायल हो गया. पूरी घटना मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है. मामला सांगली जिले के मलनगाव का है. जानकारी के अनुसार, विजय अण्णाप्पा माली सोमवार दोपहर अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे. इसी दौरान उन्होंने तेज आवाज में गाना चलाकर ट्रैक्टर पर स्टंट करना शुरू कर दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वह चलती ट्रैक्टर से उतरने के बाद दोबारा उस पर चढ़ने का प्रयास कर रहे थे यह सब चंद सेकंड की रील के लिए कर रहे थे.

संतुलन बिगड़ने से घायल हुआ युवक

इसी बीच, उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह सीधे ट्रैक्टर के नीचे गिर पड़े. देखते ही देखते ट्रैक्टर का बड़ा पहिया उनके शरीर के ऊपर से निकल गया. घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और तुरंत उन्हें इलाज के लिए कवठेमहांकाल के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया. बताया जा रहा है कि हादसे में युवक की तीन से चार पसलियां टूट गई हैं. हालांकि गंभीर हादसे के बावजूद उनकी जान बच गई. इस घटना ने एक बार फिर चलती गाड़ियों पर स्टंट करने के खतरों को सामने ला दिया है.

रील बनाना जानलेवा

हालांकि, रील बनाने और सोशल मीडिया पर ख्याति पाने के लिए युवक अक्सर जान जोखिम में डालते नजर आते हैं. कई बार उनको रील बनाने की वजह से अपनी जान तक गवानी पड़ जाती है. हाल ही में यूपी के सोनभद्र में रील बनाने के दौरान चार दोस्तों की नदी के गहरे में डूबने से जान चली गई थी.

'सिख दंपति 4 बच्चे पैदा करे BJP नेता ने पंजाब CM भगवंत मान को लिखी चिट्ठी, जानें क्या की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश महासचिव व रिटायर्ड ब्रूस अफसर जगमोहन राजू ने पंजाब के मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी है. उन्होंने कहा है कि पंजाब में हर सिख दंपति को कम से कम 4 बच्चे पैदा करने चाहिए. इसके बदले पंजाब सरकार को उन्हें 30 से 40 हजार रुपए का इनाम देना चाहिए. इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेटर लिख दिया है. उन्होंने सिखों की घटती आबादी पर चिंता जताते हुए,क्क सरकार से आर्थिक प्रोत्साहन योजना लागू करने की मांग की है. हालांकि पंजाब बीजेपी ने इसे उनकी निजी राय बताते हुए इस पूरे मामले से खुद को अलग कर दिया है। जगमोहन सिंह राजू ने चिट्ठी में कहा है कि कि पंजाब में भी आंध्र प्रदेश वाला 4 बच्चों का मॉडल लागू किया जाना चाहिए. राजू से पहले सिखों के सर्वोच्च तख्त श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज भी इसकी पैरवी कर चुके हैं. उनका कहना था कि सिर्फ सिखों का एक बच्चा होना समझदारी नहीं है. जगमोहन राजू ने लिखा, सिख कौम भारत में संवैधानिक तौर पर मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (NFHS) के मुताबिक सिखों की जनन दर यानी फ़र्टिलिटी रेट देश के सब भाईचारों में सबसे कम है. इस कारण सिखों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है और यह चिंताजनक है.

पंजाब सरकार से सुझाव के साथ की मांग

जगमोहन राजू ने आगे लिखा- साल 1991 में पंजाब की आबादी में सिखों को हिस्सा 62.95% था, जो 2011 की जनगणना में घटकर 57.69% रह गई है. यह भी संकेत हैं कि आबादी घटने का यह सिलसिला अभी भी जारी है. आबादी में गिरावट पंजाब में सिखों की सामाजिक और सभ्याचारक भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है. राजू ने लिखा- सिखों को आबादी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मेरा सुझाव है कि पंजाब सरकार को आंध्र प्रदेश सरकार के हाल ही में ऐलान किए मॉडल के तहत इनाम देना चाहिए. जिसमें तीसरे बच्चे के पैदा होने पर 30 हजार और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपए दिए जाएं। इसे लागू करने में गंभीरता से काम करना चाहिए। इससे सिख परिवारों को मदद मिलेगी और आबादी में गिरावट को रोका जा सकेगा।

पंजाब सरकार से राजू ने जताई उम्मीद

जगमोहन सिंह राजू ने आंध्र प्रदेश की तर्ज पर पंजाब में भी सिखों की जनसंख्या बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता शुरू करने का प्लान बनाने की पंजाब सरकार से दरख्वास्त की है. जगमोहन सिंह राजू ने कहा कि भले ही ये उनकी निजी राय है लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है की राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब सरकार इस मामले में जल्द ही कोई फैसला लेगी और इस पूरे मामले को गंभीरता से लेगी.

पंजाब बीजेपी अध्यक्ष ने इससे खुद को किया अलग

हालांकि पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पार्टी को इस पूरे मामले से अलग कर लिया. उन्होंने कहा कि ये बतौर सिख जगमोहन सिंह राजू की अपनी राय है और उन्होंने अपने ही लेटर हेड पर एक पूर्व आईएएस और सिख इंटेलेक्चुअल होने के नाते ये चिट्ठी मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखी है. पंजाब सरकार को अब आगे तय करना है.

NTA में चार नए अधिकारियों की नियुक्ति, कई पदों पर निकली वैकेंसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

NEET पेपर लीक मामले के बाद सरकार ने National Testing Agency (NTA) को नए सिरे से मजबूत कर रही है. यानी पूरी व्यवस्था को एक नया रूप दे रही है. केंद्र सरकार ने अब NTA में चार वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति की गई है. इनमें दो संयुक्त सचिव लेवल और दो डायरेक्टर लेवल के अधिकारी शामिल हैं. नई नियुक्ति के साथ ही पहली बार टेक्निकल, फाइनेंस और एचआर के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट अधिकारियों की नियुक्ति के लिए भर्ती भी निकाली गई है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर NTA ने कई अहम सुधारों का ऐलान किया है. बताया गया है कि अब परीक्षा सुरक्षा और डिजिटल सिस्टम को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत बनाया जाएगा. इसके लिए ह्र्र में चार वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति की गई है. इनकी जिम्मेदारी एजेंसी में पारदर्शिता बढ़ाने, प्रशासनिक सुधार लागू करने और पूरी व्यवस्था की निगरानी करना होगी. इसके अलावा NTA ने Chief Technology Officer (CTO), Chief Finance Officer (CFO) और General Manager-HR जैसे बड़े पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है.

CTO के पास होगी ये पावर

इन पदों के लिए भर्ती नोटिफिकेशन जारी किए गए हैं और आवेदन की अंतिम तारीख नोटिफिकेशन जारी होने के 15 दिन बाद तक रखी गई है. माना जा रहा है कि इन बदलावों में, CTO के पद पर नियुक्ति सबसे ज्यादा ध्यान खींच रही है. अब से, परीक्षा प्रणाली के पूरे तकनीकी सुरक्षा ढांचे की देखरेख एक वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी करेगा. यह अधिकारी AI-आधारित निगरानी, ??बायोमेट्रिक सत्यापन, चेहरे की पहचान, साइबर सुरक्षा और प्रश्न पत्र की सुरक्षा जैसी प्रणालियों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार होगा.

अब हर चरण पर तकनीकी सुरक्षा उपाय लागू

सरकार के मुताबिक, अब हर चरण पर तकनीकी सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे. प्रश्न पत्रों की तैयारी से लेकर उनकी छपाई और परिवहन तक. इसके अलावा, AI और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी. परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक पहचान और चेहरे की पहचान प्रणालियों को भी और मजबूत किया जाएगा.

NTA के जिम्मे हर साल 1 करोड़ से ज्यादा छात्र

यह ध्यान देने योग्य है कि NTA हर साल पूरे देश में 1 करोड़ से ज्यादा छात्रों के लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करता है. नतीजतन, हाल के विवादों का एजेंसी की विश्वसनीयता पर काफी असर पड़ा है. सरकार और NTA दोनों का अब यह लक्ष्य है कि वे एक स्पष्ट संदेश दें कि आने वाले समय में, परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह से सुरक्षित और भरोसेमंद बनाया जाएगा.

ये बीजेपी की सोची समझी रणनीति BHU के विवादित सवाल पर अखिलेश यादव का हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर सरकार पर हमला बोला है. इस बार उन्होंने बीएचयू विवादित सवाल पर सरकार को घेरा है. अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीएचयू में कोई क्वेश्चन पेपर आ गया है उसका सवाल भी टेढ़ा-मेढ़ा है. यह भारतीय जनता पार्टी की सोची समझी रणनीति है. अखिलेश ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में कैसे सवाल पूछे जा रहे हैं. पहले उन्हें बदनाम करो, फिर उस पर हमसे सवाल पूछे जाते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब बीजेपी कराती है. बीजेपी ही इन सबके पीछे हैं. उन्होंने मदनमोहन मालवीय जैसे पुरुषों के प्रतिष्ठित संस्थान का इन लोगों ने क्या हाल कर दिया है. उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक का सभी को पता है. इतना कुछ होने के बाद भी एक बार फिर नीट पेपर लीक हो गया. पकड़े गए लोगों में भी बीजेपी के लोग शामिल हैं. अब नीट परीक्षा अब लीक परीक्षा हो गई है. उन्होंने कहा कि केवल 22 लाख बच्चे परीक्षा से दूर नहीं हुए हैं. उनके परिवारों को इससे परेशानी हुई है.

BHU के क्वेश्चन पेपर का विवादित सवाल

दरअसल, हाल ही में बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) में संपन्न हुई परीक्षा में ब्राह्मणवादी पितृसत्ता को लेकर पूछे गए सवाल पर ब्राह्मण महासभा ने आपत्ति जताई है. यूपी में इससे पहले भी परीक्षाओं में ब्राह्मण से जुड़े सवाल पूछे गए थे, जिसे ब्राह्मण अपमान मानते हुए प्रदेश में बवाल शुरू हो गया था. अब ब्ला के क्वेश्चन पेपर ब्राह्मणवादी पितृसत्ता को लेकर पूछे गए सवाल पर बवाल मचा हुआ है.

बढ़ती महंगाई और गिरते रुपये को लेकर सरकार पर साधा निशाना

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर भी बीजेपी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बीजेपी बताए कि गैस सिलेंडर महंगा क्यों हो गया, पेट्रोल महंगा क्यों हो गया. आखिर ऐसा क्या हुआ जो सरकार को इसे महंगा करना पड़ा. अखिलेश ने कहा कि सरकार को इसका जवाब देना चाहिए. सरकार इससे बच नहीं सकती है. इस दौरान अखिलेश रुपये की होने वाली गिरावट को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि सरकार वह आंकड़ा देना क्यों भूल जाती है कि हमारा रुपया और कितना गिरेगा. अब लग रहा है रुपया की पाताल लोक की तरफ दिशा बन गई है.

दिल्ली बनी 'तंदूर' पारा 46 डिग्री के पार, हीटवेव से झुलसे लोग; इस सीजन का आज सबसे गर्म दिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. इन दिन लगातार तापमान बढ़ने से झुलसा देने वाली गर्मी लोगों के लिए मुसीबत बन रही है. तापमान 46 डिग्री पार पहुंच गया. दिल्ली के रिज इलाके में अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. आयानगर में 45.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा. लोधी रोड पर तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. सफदरजंग में 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं पालम में भी 45.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा. आईएमडी के अनुसार, आने वाले दिनों में भी तापमान बढ़ने से लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ेगा. लगातार बढ़ती गर्मी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पूरी राजधानी में तापमान सामन्य से 3 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया है. लू के थपेड़ों और झुलसा देने वाली गर्म हवाओं की वजह से बाहर खुले में काम करने वाले लोगों के लिए भारी मुसीबत साबित हो रही हैं.

46 डिग्री पहुंचा पारा

आईएमडी ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तापमान के ताजा आंकड़े जारी किए हैं, दिल्ली में तापमान 46 डिग्री पार पहुंच गया, जो कि सामान्य तापमान से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक है. दिल्ली के रिज इलाके में अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस, आयानगर में 45.5 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस, सफदरजंग में 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं पालम में भी 45.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा.

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी मंगलवार 19 मई की सुबह ही न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं बीते दिन देश की राजधानी के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया था, जिसमें कुछ इलाकों में हीटवेव की स्थिति बनने की चेतावनी दी गई थी. आईएमडी ने संभावना जताई थी कि दिल्ली का अधिकतम तापमान आज 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, लेकिन दोपहर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी का असर आने वाले दिनों में भी देखने को मिलेगा. उत्तर प्रदेश के बांदा, हमीरपुर और कानपुर जिले में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं, जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो चुकी है।

उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है।

आज संपूर्ण विश्व में आधुनिक दूरभाष, संगणक, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी प्रणालियां और उच्च सुरक्षा वाले संस्थान उंगलियों के निशानों पर आधारित पहचान प्रणाली पर पूरी तरह निर्भर हो चुके हैं। अधिकांश कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए इन जैव-पहचान उपकरणों का ही उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही हवाई अड्डों, सीमा सुरक्षा चौकियों और अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों में भी पहचान की पुष्टि के लिए उंगलियों के निशानों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी संवेदनशील व्यवस्था में यदि किसी निर्दोष नागरिक की जैव-पहचान संबंधी गोपनीय जानकारी गलत हाथों में चली जाती है, तो उसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी, गंभीर बैंकिंग धोखाधड़ी, बैंक खातों से धन की अवैध निकासी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश जैसी अत्यंत विकट समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित इस तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नए शोधों से कुछ और चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह देखा गया है कि मशीन पर आधारित आधुनिक कलन विधियां अब ऐसे कृत्रिम अथवा नकली उंगलियों के निशान भी तैयार कर सकती हैं जो विभिन्न सुरक्षा उपकरणों को भ्रमित करने में सक्षम हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ऐसे कृत्रिम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित निशानों को विकसित करने में सफलता पाई है जिन्हें कुछ संवेदनशील सुरक्षा प्रणालियों ने वास्तविक मानकर स्वीकार कर लिया। यह उभरती हुई स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि आने वाले समय में अंतरजाल सुरक्षा की चुनौतियां मानवीय कल्पना से भी अधिक जटिल और बहुआयामी होने वाली हैं।

हालांकि, इस विषय के दूसरे पहलू को स्पष्ट करते हुए विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सामाजिक माध्यमों पर डाली गई प्रत्येक तस्वीर से तत्काल कोई बैंक खाता अवरुद्ध नहीं हो जाता और न ही हर सामान्य चित्र इतना बड़ा संकट उत्पन्न करता है। किसी भी तस्वीर से उंगलियों के निशानों को सफलतापूर्वक निकालने के लिए अत्यधिक अनुकूल और सटीक परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इसके लिए चित्र लेते समय प्रकाश की व्यवस्था अत्यंत उत्तम होनी चाहिए, उपकरण का केंद्रन पूरी तरह से उंगलियों पर होना चाहिए और तस्वीर की स्पष्टता बहुत उच्च स्तर की होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, वर्तमान समय के अधिकांश अत्याधुनिक उपकरण केवल उंगलियों के निशानों पर ही पूरी तरह आश्रित नहीं होते हैं। उनमें सुरक्षा की अतिरिक्त परतें जैसे गुप्त संख्या, चेहरे की पहचान और डेटा सुरक्षा प्रणालियां भी अंतर्निहित होती हैं। इसके बावजूद, तकनीक के इस निरंतर होते विकास के कारण इस खतरे को कदापि कम करके नहीं आंका जाना चाहिए।

इस नए युग के अंतरजाल खतरों से निपटने के लिए सामाजिक माध्यमों का उपयोग करने वाले नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता का होना सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। आज के दौर में अंतरजाल और सामाजिक मंचों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर देना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है, परंतु अपनी आदतों में थोड़ा सा सुधार करके इस खतरे को न्यूनतम अवश्य किया जा सकता है। तस्वीरें लेते समय उपकरण की ओर सीधे उंगलियां दिखाने वाली मुद्राओं से पूर्णतः बचना चाहिए। अत्यधिक निकटता से ली गई उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों को सार्वजनिक मंचों पर साझा करने से परहेज करना चाहिए। यदि ऐसी तस्वीरें अपलोड करना आवश्यक ही हो, तो अपलोड करने से पूर्व उनकी गुणवत्ता को थोड़ा कम कर देना चाहिए ताकि यदि कोई उन्हें अत्यधिक बड़ा करके भी देखे, तो उंगलियों की रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई न दें। इसके साथ ही, अपने व्यक्तिगत खातों की गोपनीयता सेटिंग्स को सदैव मजबूत रखना चाहिए ताकि अपरिचित व्यक्ति आपकी तस्वीरों तक न पहुँच सकें। इसके अतिरिक्त, केवल उंगलियों के निशानों पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था पर ही पूर्ण निर्भरता उचित नहीं है। सभी महत्वपूर्ण वित्तीय और व्यक्तिगत खातों में दोहरी प्रमाणीकरण प्रणाली का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत गुप्त संख्या, संदेश आधारित तत्काल सत्यापन और अन्य सुरक्षात्मक उपायों को आपस में जोड़ा जाना चाहिए। अंतरजाल अपराधी सदैव हमारी असावधानी और सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों की ताक में रहते हैं, इसलिए इस आभासी संसार में निरंतर सतर्कता ही हमारी सबसे बड़ी रक्षा कवच है। अंततः, यह तकनीक का युग है जो मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी दे रहा है। आज एक साधारण सा स्व-चित्र केवल एक सुंदर दृश्य नहीं है, बल्कि वह हमारी अत्यंत निजी जानकारी का स्रोत भी बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के लाभों का सहर्ष उपयोग करें, किंतु उसके छिपे हुए खतरों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। थोड़ी सी सतर्कता हमें भविष्य के किसी बड़े नुकसान से बचा सकती है। **महेन्द्र तिवारी**

रील कल्चर के भंवर में फंसते युवा

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

वैसे तो सोशल मीडिया पर रील का कल्चर पूरे विश्व में फैल गया है लेकिन भारत की कहानी अलग ही है। सोशल मीडिया से कमाई या शौक दोनों तरीके के भारतीय युवा इस मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। रील कल्चर अब भारत के हर घर में प्रवेश कर चुका है। जिसमें आपको हर तरह के कंटेंट देखने को मिलेंगे। कुछ कंटेंट तो अच्छे हैं लेकिन खराब और भौंडे कंटेंट की भी कमी नहीं है। भारतीय सोशल मीडिया में यह एक बीमारी की तरह फैल रहा है। 30 सेकंड की स्क्रॉल। फिर 30 सेकंड और। उंगली थकती नहीं, पर दिमाग कब थक गया पता ही नहीं चलता। यही है आज के युवा की शाम।

रील कल्चर ने मनोरंजन को लोकतांत्रिक बनाया। गांव का लड़का भी स्टार बन सकता है। कैमरा, एक आइडिया और नेट पैक। बस इतना काफी है लाखों तक पहुंचने के लिए। क्रिएटिविटी की बाढ़ आई है। डांस, कॉमेडी, ज्ञान, खेती के टिप्स। सब कुछ 30 सेकंड में पैक। पर सिक्के का दूसरा पहलू चमकदार नहीं है।

पहला संकट: ध्यान का क्षरण

IIT दिल्ली की 2024 स्टडी बताती है कि औसत अटेंशन स्पैन 8 सेकंड रह गया है। किताब का एक पन्ना पढ़ना पहाड़ लगता है। क्लास में 40 मिनट बैठना सजा है। दिमाग को हर 30 सेकंड में नया डोपामिन शॉट चाहिए। यही वजह है कि PSC की तैयारी करने वाला छात्र भी 4 घंटे पढ़ने के बाद 3 घंटे रील स्क्रॉल कर देता है।

दूसरा संकट: तुलना का जाल

हर रील में कोई घूम रहा है, कोई करोड़ों कमा रहा है, कोई परफेक्ट दिख रहा है। फिल्टर, कट्स और बैकग्राउंड म्यूजिक के पीछे की 20 रीटेक कोई नहीं दिखाता। नतीजा। 19 साल का लड़का खुद को नाकाम समझता है क्योंकि उसके पास लैंबोर्गिनी नहीं। लड़की को अपनी शक्ल बुरी लगती है क्योंकि उसका चेहरा फिल्टर जैसा नहीं। निम्हांस के डेटा में टीनएजर्स में एंग्जायटी केस 2020 के बाद 43% बढ़े हैं।

तीसरा संकट: नकली सफलता का मॉडल

'वायरल हो जाओ' नया करियर मंत्र है। स्किल, डिग्री, मेहनत सेकेंडरी हो गई। रील पर 10 मिलियन व्यूज आ जाएं तो लगता है जिंदगी सेट है। पर 99% क्रिएटर्स महीने के 10 हजार भी नहीं कमा पाते। इंस्टाग्राम की 2025 क्रिएटर रिपोर्ट यही कहती है। फिर भी हर गली में लड़के डायलॉग बोलकर एक्टिंग कर रहे हैं क्योंकि शाहरुख बनना है।

फिर रास्ता क्या है?

रोक लगाना हल नहीं। बैन से कुछ नहीं होगा। VPN से सब चलता है। जरूरत है डिजिटल न्यूट्रिशन की। स्कूल में मीडिया लिटरेसी: बच्चों को सिखाना पड़ेगा कि कंटेंट और रियलिटी में फर्क होता है। फिनलैंड ये 2016 से कर रहा है। क्रिएटर की जिम्मेदारी: फॉलोअर्स मिल गए तो थोड़ी जवाबदेही भी बनती है। मां-बाप का रोल: डांटने से बेहतर है खुद 1 घंटा बिना फोन के बैठकर दिखाओ।

बच्चे देखकर सीखते हैं। प्लेटफॉर्म का एल्गोरिद्म: घंटों बांधे रखने वाला डिजाइन बदलना होगा। 'टेक अ ब्रेक' रिमाइंडर काफी नहीं। रील बुरी नहीं है। टूल न्यूट्रल होता है। चाकू से सब्जी भी कटती है, उंगली भी। युवा को चाकू पकड़ना सिखाना है, चाकू छीनना नहीं। वरना ये भंवर गहरा होता जाएगा। और 30 सेकंड की खुशी के लिए, हम पूरी पीढ़ी का धैर्य, फोकस और सुकून गंवा देंगे।

सफलता सभी को नहीं मिलती लेकिन असफलता के परिणाम भयावह रूप धारण कर लेते हैं। जब व्यूज, लाइक, कमेंट और फालोवर्स ज्यादा नहीं मिलते तब असली गंदगी शुरू होती है और लोग इसे पाने के लिए हद से गुजर जाते हैं। यानि कि चाहे वो अश्लील कंटेंट हों या भौंडे सभी हथकंडे अपनाए जाने लगते हैं। और हम यह भी नहीं समझ पाते हैं कि हम किस राह पर चल रहे हैं। सामाजिक, आर्थिक, समाचार, विचार जैसे कंटेंट पर गिने चुने लोग ही सफल हो पाते हैं जो पहले से लोगों में अपनी पहचान रखते हैं। हमारे बहुत से युवा शुरुआत तो यहीं से करते हैं लेकिन चलते चलते उनके कंटेंट बदलने लगते हैं। और हम कब अच्छाई से बुराई की तरफ अग्रसर हो जाते हैं हमें पता भी नहीं चलता।

ऑनस्क्रीन मार्किंग प्रणाली पर छात्रों का विश्वास बनाए सीबीएसई

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा वर्ष 2026 की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहली बार 'ऑनस्क्रीन मार्किंग प्रणाली' के माध्यम से डिजिटल रूप में किया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत सभी विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं को स्कैन कर ऑनलाइन मूल्यांकन केंद्रों पर भेजा गया, जहां शिक्षकों ने डिजिटल माध्यम से मूल्यांकन कर अंक दर्ज किए। शिक्षा क्षेत्र में यह एक महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव माना जा रहा है। सीबीएसई का उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्रुटिरहित और तेज बनाना है। डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली से उत्तर पुस्तिकाओं के भौतिक परिवहन की आवश्यकता समाप्त होगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही ऑनलाइन माध्यम से कॉपियों को मूल्यांकन केंद्रों तक पहुंचाना अधिक सरल और सुरक्षित भी है। यह व्यवस्था पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी उपयोगी साबित हो सकती है। हालांकि इस वर्ष कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसके चलते छात्रों और अभिभावकों के बीच ऑनस्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर कई तरह की शंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। नई प्रणाली के प्रति असमंजस और परिणामों में आई गिरावट के कारण इसकी आलोचना भी की जा रही है।

सीबीएसई बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि परिणामों में गिरावट का कारण ऑनस्क्रीन मार्किंग प्रणाली नहीं है।

बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों के संदेह दूर करने के लिए पुनर्मूल्यांकन शुल्क में भी राहत प्रदान की है, ताकि इच्छुक विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन आसानी से करा सकें। वर्तमान डिजिटल युग में शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में तकनीकी बदलाव समय की आवश्यकता बन चुके हैं। आने वाले वर्षों में देशभर में मूल्यांकन कार्य इसी प्रकार की डिजिटल प्रणाली के माध्यम से किए जाने की संभावना है। ऐसे में आवश्यक है कि सीबीएसई बोर्ड इस नई ऑनस्क्रीन मार्किंग प्रणाली की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए, छात्रों और अभिभावकों के सभी संदेहों का प्रभावी समाधान करे। तभी यह व्यवस्था शिक्षा जगत में विश्वास और पारदर्शिता का मजबूत आधार बन सकेगी। **अरविंद रावल**

अपराध पर खाकी का प्रहार गुजरात में बदलती पुलिस कार्रवाई और कानून के डर कीनई तस्वीर

गुजरात में पिछले आठ महीनों के दौरान अपराध और अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। राज्य के अलग अलग शहरों में पुलिस ने ऐसे अपराधियों पर सख्त रवैया अपनाया है जो पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थे या पुलिस टीम पर हमला कर रहे थे। कई मामलों में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपराधियों के पैरों में गोली मारी और कुछ मामलों में मुठभेड़ में अपराधियों का अंत भी हो गया। इन घटनाओं के बाद राज्य में अपराधियों के बीच भय का माहौल दिखाई दे रहा है जबकि आम जनता का एक बड़ा वर्ग पुलिस की इस कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। गुजरात पुलिस की यह नीति अचानक नहीं बनी। पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कई शहरों में हत्या लूट दुष्कर्म अपहरण और गैंगवार जैसी घटनाओं में वृद्धि देखने को मिली थी। अपराधियों के हौसले इतने बढ़ गए थे कि वे खुलेआम पुलिस को चुनौती देने लगे थे। कई मामलों में आरोपी पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश करते थे और पुलिसकर्मियों पर हमला भी कर देते थे। ऐसे हालात में पुलिस ने अब नरमी छोड़कर कठोर रणनीति अपनाई है। राजकोट में मासूम बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी रामसिंह की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया था। जब पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर जांच के लिए लेकर गई तब उसने अचानक पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसके पैरों में गोली मार दी। यह घटना केवल एक अपराधी को पकड़ने तक सीमित नहीं रही बल्कि उसने पूरे समाज को यह संदेश दिया कि बेटियों के साथ दरिंदगी करने वालों को अब किसी तरह की रियायत नहीं मिलेगी। अहमदाबाद में हिस्ट्रीशीटर मोइनुद्दीन शेख का मामला भी इसी तरह चर्चा में रहा। दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों में आरोपी यह बदमाश पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस अधिकारी ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उसके पैर में गोली मार दी। इस कार्रवाई के बाद शहर में यह संदेश गया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों की गुंडागर्दी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नवसारी में पुलिस और गैंगस्टरों के बीच हुई मुठभेड़ किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं थी। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के शार्पशूटर को घायल कर गिरफ्तार किया और उसके साथियों को भी दबोच लिया। उनके पास से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस कार्रवाई ने साफ कर दिया कि गुजरात पुलिस अब संगठित अपराध के खिलाफ पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है। गांधीनगर में साइको किलर विपुल परमार का अंत भी पुलिस कार्रवाई का बड़ा उदाहरण बना। महिलाओं को निशाना बनाने वाला यह अपराधी लंबे समय से आतंक का पर्याय बना हुआ था। पुलिस जांच के दौरान उसने हथियार छीनकर भागने की कोशिश की जिसके बाद मुठभेड़ में वह मारा गया। इस घटना के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। वापी और सूरत में भी पुलिस ने हत्या और लूट के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की। कई मामलों में आरोपी पुलिसकर्मियों पर चाकू या हथियार से हमला कर रहे थे। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई और अपराधियों को पकड़ लिया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब पुलिस केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि अपराधियों को कानून का डर महसूस कराना चाहती है। साबरमती रिवरफ्रंट पर अपहरण और फिरौती के आरोपी संग्राम सिंह के खिलाफ कार्रवाई भी काफी चर्चित रही। आरोपी ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसे घायल कर गिरफ्तार कर लिया। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण मानी गई क्योंकि रिवरफ्रंट जैसे आधुनिक और भीड़भाड़ वाले इलाके में अपराधियों की सक्रियता लगातार चिंता का विषय बन रही थी। सूरत में बैंक लूट और हत्या जैसे मामलों में भी पुलिस ने तेजी दिखाई। पुलिस पर हमला करने वाले अपराधियों को तुरंत जवाब मिला। कई अपराधियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इन घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर भी बहस शुरू हो गई। बड़ी संख्या में लोग पुलिस की कार्रवाई को सही ठहरा रहे हैं जबकि कुछ लोग इसे कानून व्यवस्था और मानवाधिकार के नजरिये से देख रहे हैं। जनता का एक वर्ग मानता है कि जो अपराधी मासूम लोगों की हत्या करते हैं महिलाओं पर अत्याचार करते हैं और पुलिस पर हमला करते हैं उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई जरूरी है। लोगों का कहना है कि यदि अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा होगा तभी समाज सुरक्षित रह सकेगा। खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों के बीच लोग पुलिस की सख्ती को जरूरी कदम मान रहे हैं। दूसरी ओर कुछ सामाजिक कार्यकर्ता और कानूनी विशेषज्ञ यह सवाल भी उठा रहे हैं कि हर आरोपी को कानून के दायरे में रहकर सजा मिलनी चाहिए। उनका कहना है कि पुलिस कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए ताकि किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो। हालांकि पुलिस का कहना है कि गोली केवल उन्हीं परिस्थितियों में चलाई जाती है जब आरोपी पुलिस टीम पर हमला करता है या भागने की कोशिश में जान का खतरा पैदा करता है। इन घटनाओं का एक बड़ा असर अपराध जगत पर भी पड़ा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कई अपराधी अब खुलेआम वारदात करने से डरने लगे हैं। पुलिस की सख्ती ने अपराधियों के मन में यह संदेश बैठा दिया है कि अब अपराध करने के बाद बच निकलना आसान नहीं होगा। यही कारण है कि राज्य के कई इलाकों में अपराधियों की गतिविधियों में कमी आने की बात कही जा रही है। गुजरात पुलिस की यह रणनीति उत्तर प्रदेश मॉडल से भी जोड़ी जा रही है जहां अपराधियों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई चर्चा में रही है। हालांकि गुजरात पुलिस का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यदि कोई अपराधी आत्मसमर्पण करता है तो उसे कानून के अनुसार गिरफ्तार किया जाता है लेकिन यदि वह हमला करता है तो पुलिस को आत्मरक्षा का अधिकार है। आज समाज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित गिरोह साइबर अपराध हथियारबंद लूट और महिलाओं के खिलाफ हिंसा जैसी घटनाएं कानून व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। ऐसे समय में पुलिस की भूमिका और जिम्मेदारी दोनों बढ़ जाती हैं। गुजरात में हाल के महीनों में हुई कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि राज्य की पुलिस अपराधियों को खुली छूट देने के मूड में नहीं है। इन घटनाओं ने एक बड़ी बहस को जन्म दिया है। क्या अपराध रोकने के लिए सख्त पुलिस कार्रवाई जरूरी है या फिर केवल न्यायिक प्रक्रिया ही सबसे बड़ा रास्ता है। इस सवाल का जवाब आसान नहीं है लेकिन इतना जरूर स्पष्ट है कि आम जनता सुरक्षित माहौल चाहती है। लोग चाहते हैं कि उनकी बहन बेटियां और परिवार बिना डर के जीवन जी सकें। यदि पुलिस की सख्ती से अपराधियों में भय पैदा होता है तो समाज का एक बड़ा वर्ग इसे सही मानता है। गुजरात में पिछले आठ महीनों की घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि अब अपराध और अपराधियों के खिलाफ पुलिस का रवैया पहले जैसा नहीं रहा। खाकी अब केवल चेतावनी नहीं दे रही बल्कि कानून को चुनौती देने वालों को तुरंत जवाब भी दे रही है। यही कारण है कि राज्य में अपराधियों के बीच डर और जनता के बीच सुरक्षा की भावना मजबूत होती दिखाई दे रही है। **कांतिलाल मांडोत**

दैनिक राशिफल

मेष– करियर में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। शुभ रंग: लाल 7 शुभ अंक: 9

वृषभ – सोच-समझकर लिया गया निर्णय लाभ देगा। धन संबंधी मामलों में सफलता मिल सकती है। शुभ रंग: सफेद 7 शुभ अंक: 6

मिथुन – आत्मविश्वास बढ़ेगा। नए लोगों से संपर्क लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। शुभ रंग: हरा 7 शुभ अंक: 5

कर्क – भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ रंग: सिल्वर 7 शुभ अंक: 2

सिंह – नौकरी और करियर में प्रगति के योग हैं। वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शुभ रंग: सुनहरा 7 शुभ अंक: 1

कन्या – मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग: हरा 7 शुभ अंक: 7

तुला – अधिकारियों का विश्वास जीतेंगे। व्यापार में लाभ और सम्मान बढ़ेगा। शुभ रंग: गुलाबी 7 शुभ अंक: 6

वृश्चिक – जल्दबाजी में निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचें और विवादों से दूर रहें। शुभ रंग: मरून 7 शुभ अंक: 8

धनु – नए अवसर मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक हो सकती है। शुभ रंग: पीला 7 शुभ अंक: 3

मकर – आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन काम का दबाव रह सकता है। धैर्य रखें। शुभ रंग: नीला 7 शुभ अंक: 10

कुंभ – भाग्य का साथ मिलेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। निवेश सोच-समझकर करें। शुभ रंग: आसमानी 7 शुभ अंक: 11

मीन – प्रेम और पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है। शुभ रंग: पीला 7 शुभ अंक: 12

सादगी संयमित उपयोग से निकलेगा संकट का समाधान

कैसा विरोधाभास है जिस समय विपक्ष को मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर देशवासियों को संयम मितव्ययता और सहयोग की प्रेरणा देने का नैतिक दायित्व निर्वहन करना चाहिए उस समय समूचा विपक्ष पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर अपनी कुंठा निकाल रहा है। यही हमारे देश की औछी राजनीति और नेताओं की स्वार्थी और सिर्फ कुर्सी पाने की लिप्स तक सीमित सोच का नतीजा है। आपको बता दें कि दुनिया के बदलते हालात ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश वैश्विक संकटों से पूरी तरह अलग रहकर सुरक्षित नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव कच्चे तेल की आपूर्ति, गैस, उर्वरक, खाद्य तेल, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू महंगाई तक दिखाई देने लगा है। भारत जैसे विशाल और ऊर्जा निर्भर देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील केवल सामान्य सलाह नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक दबावों के प्रति देश को तैयार करने का संकेत है। साथ ही यह समय की मांग भी है। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने काफिले का आकार कम करने का निर्णय लिया है। यह कदम प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ व्यावहारिक भी है। जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व मितव्ययिता को अपने आचरण में उतारता है, तो उसका संदेश नीचे तक जाता है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल को निर्देश दिया है कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना काफिले में वाहनों की संख्या कम की जाए। साथ ही, जहां तक संभव हो, नई गाड़ियां खरीदे बिना इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाए। यह निर्णय बताता है कि संकट के समय केवल जनता से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि नेतृत्व को स्वयं उदाहरण बनना होता है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन शुरू भी हो चुका है। हैदराबाद में उनके संबोधन के बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाई गई है। हालांकि सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जरूरी भी है, क्योंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि सुरक्षा व्यवस्था के भीतर भी विवेकपूर्ण खर्च और संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यही संतुलन आज देश के हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इसी दिशा में पहल की है। विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा गया है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए उनके काफिले में स्वाभाविक रूप से अधिक वाहन रहते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया। देश के अन्य मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा भी इस तरह की पहल की जानी चाहिए। संकट के समय सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोगों का व्यवहार जनता के मनोबल को प्रभावित करता है। आज आवश्यकता केवल सरकारी कटौती की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन की है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह चिंता व्यक्त की है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो आम उपभोक्ताओं को भी ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान चेतावनी भी है और तैयारी का संकेत भी। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया है। इसके लिए शुल्क में कमी, नियंत्रित कीमतों में सीमित समायोजन और राजकोपीय संतुलन जैसे उपाय किए गए हैं। लेकिन कोई भी सरकार अनिश्चित काल तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा बोझ स्वयं नहीं उठा सकती। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचना स्वाभाविक होगा। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। भारत की पश्चिम एशिया पर निर्भरता बहुत गहरी है। हमारे कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से जुड़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का बड़ा भाग भी इसी क्षेत्र से आता है। उर्वरक और गैस आपूर्ति में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता केवल पेट्रोल पंपों पर कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर खेती, उद्योग, रसोई, परिवहन, व्यापार और रोजगार तक दिखाई दे सकता है। इसलिए इस संकट को केवल तेल संकट मानना भूल होगी। यह व्यापक आर्थिक चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों का सबसे तीखा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अभी भी काफी अधिक है। यदि ईंधन महंगा होता है, तो माल ढुलाई महंगी होती है। माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जी, अनाज, दाल, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। इस तरह तेल की कीमत में वृद्धि धीरे-धीरे आम आदमी की थाली तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि इस समय इंधन बचत को केवल पर्यावरण या परिवहन का मुद्दा नहीं समझना चाहिए। यह महंगाई नियंत्रण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों के सामने चुनौती यह है कि वैश्विक संकट का घरेलू असर सीमित रखा जाए। मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित करने का एक साधन हो सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष के बड़े झटकों से केवल ब्याज दरों के सहारे नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए सरकार, उद्योग, प्रशासन और जनता सभी को मिलकर काम करना होगा। जहां सरकार खर्च में अनुशासन लाए, वहीं नागरिक भी अपनी जीवनशैली में थोड़ी सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा, दिखावटी खर्च, अत्यधिक ईंधन खपत और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करना समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने की अपील भी इसी व्यापक आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत में सोना भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने पर सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। संकट के समय यदि लोग कुछ समय के लिए सोने की गैर-जरूरी खरीद को टालते हैं, तो इससे देश को राहत मिल सकती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत से आयात बिल कम करने में सहायता मिलेगी। छोटी-छोटी बचतें जब करोड़ों नागरिकों द्वारा की जाती हैं, तो उनका प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। संकट के समय राष्ट्रों की असली शक्ति केवल सेना, मुद्रा भंडार या सरकारी नीतियों से नहीं मापी जाती। वह जनता के अनुशासन, नेतृत्व के आचरण और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। आज भारत के सामने अवसर है कि वह संयम, मितव्ययिता और आत्मनियंत्रण के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदले। प्रधानमंत्री द्वारा काफिले में कटौती का कदम इसी दिशा में एक संदेश है कि कठिन समय में शुरुआत ऊपर से होनी चाहिए। अब आवश्यकता है कि यह संदेश सरकार के हर विभाग, हर राज्य, हर संस्था और हर नागरिक तक पहुंचे। यह समय भय का नहीं, समझदारी का है। यह समय घबराहट का नहीं, तैयारी का है। यदि नेतृत्व उदाहरण प्रस्तुत करे और जनता सहयोग दे, तो वैश्विक संकटों का असर कम किया जा सकता है। मितव्ययिता कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व राष्ट्र का गुण है। आज देश को यही समझना होगा कि बचाया गया ईंधन, टाली गई अनावश्यक खरीद और रोका गया फिजूल खर्च केवल व्यक्तिगत बचत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योगदान है। कठिन दौर में संयम ही सबसे बड़ा समाधान है। प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है। **मनोज कुमार अग्रवाल**

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कंपनियों की कथित मनमानी के विरोध में 20 मई को दवा व्यापारियों ने दुकानों को बंद रखने का लिया निर्णय

बिसवां/सीतापुर- ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आवाहन पर कस्बे के दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन फार्मेसी एवं बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों की कथित मनमानी के विरोध में 20 मई को दवा दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता मेडिकल एसोसिएशन बिसवां के अध्यक्ष सुनीत अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन फार्मेसी के माध्यम से बिना उचित नियंत्रण के दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे छोटे दवा व्यापारियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। साथ ही मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। दवा व्यापारियों ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने तथा केवल पंजीकृत फार्मेसियों को ही दवा बिक्री की अनुमति देने की मांग की। बैठक में निर्णय लिया गया कि 20 मई को दवा दुकानें बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर बृजेश वर्मा , मनोज मंगल, कमलेश वर्मा, पप्पू जमा विजय अवस्थी सहित बड़ी संख्या में दवा विक्रेता उपस्थित रहे।

दो दिन से लापता अधेड़ का नहर में मिला शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर थाना रामपुर कलां क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बिसवां रजबहा नहर में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उतराता हुआ पाया गया। शव मिलने की खबर आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान दो दिनों से लापता ग्रामीण के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर कलां थाना क्षेत्र के ग्राम धौरहरा निवासी अशोक कुमार (45 वर्ष), पुत्र रामकुमार, बीते शनिवार की दोपहर अचानक घर से कहीं चले गए थे। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन अशोक कुमार का कहीं कोई सुराग नहीं मिल सका। परिजन लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए थे। सोमवार सुबह बिसवां रजबहा नहर में सरैयां राजा साहब के निकट स्थित श्री सरयू प्रसाद इंटर कॉलेज के पास से गुजर रहे राहगीरों ने नहर में एक शव उतराता हुआ देखा। देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय नागरिकों द्वारा तुरंत इसकी सूचना थाना रामपुर कलां पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया। इसी बीच लापता अशोक कुमार के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने मृतक के कपड़ों और हुलिए के आधार पर उनकी पहचान अशोक कुमार के रूप में की। अशोक कुमार की मौत की खबर मिलते ही उनके घर में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे दो बेटे, करण (20 वर्ष) और उत्कर्ष (12 वर्ष) को छोड़ गए हैं। पिता का साया सिर से उठ जाने के बाद दोनों बेटों और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे धौरहरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को कब्जे में ले लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। शव को नहर से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शरीर पर किसी प्रत्यक्ष चोट के निशान हैं या नहीं, और मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और पुलिस हर संभावित पहलू को ध्यान में रखकर गहराई से छानबीन कर रही है। फिलहाल मौत की वजह रहस्य बनी हुई है। ग्रामीण और परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि मौत के असली कारणों का खुलासा हो सके।

प्राथमिक संघ चुनाव हंसराज वर्मा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

महमूदाबाद सीतापुर- सोमवार दोपहर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा महमूदाबाद के त्रिवार्षिक निर्वाचन व अधिवेशन में हंसराज वर्मा आठवीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वहीं, शिक्षक ज्ञानेश मिश्र को सर्वसम्मति से महामंत्री मनोनीत किया गया,स्थानीय बीआरसी प्रांगण में पर्यवेक्षक उमेश यादव, विनोद राजौरिया, सुश्री आशा पाण्डेय और अमित शुक्ला की देखरेख में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान ब्लॉक महमूदाबाद के लगभग चार सौ शिक्षकों ने ज्ञानेश मिश्र को महामंत्री पद के लिए सर्वसम्मति से चुना। निर्वाचित अध्यक्ष हंसराज वर्मा ने बताया कि उन्होंने पहली बार वर्ष 2002 में अध्यक्ष पद संभाला था। तब से लेकर अब तक वे छह बार निर्विरोध और दो बार चुनाव लड़कर अध्यक्ष चुने गए हैं,मनोनीत महामंत्री ज्ञानेश मिश्र ने जानकारी दी कि जल्द ही एक बैठक आयोजित कर अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का गठन किया जाएगा,हंसराज वर्मा के अध्यक्ष और ज्ञानेश मिश्र के महामंत्री बनने पर क्षेत्र के बुद्ध जीवियों ने जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों में उन्हें बधाई दी बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा, प्रकाश ग्रुप आप कॉलेजेस के चेयरमैन ओमप्रकाश वर्मा, सीता ग्रुप आफ एजुकेशन के अध्यक्ष रमेश बाजपेई ब्लॉक प्रमुख मुकेश वर्मा, जिला पंचायत सदस्य ओंकार नाथ, सारिका सिंह, सहित कई क्षेत्रवासी शामिल रहे!

महंगाई, बेरोजगारी और बिजली संकट पर कांग्रेस का प्रदर्शन

● राज्यपाल को भेजा 12 सूत्रीय ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और खराब नागरिक सुविधाओं को लेकर सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक परिसर के सामने धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने राज्यपाल को संबोधित 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द समाधान की मांग उठाई। धरना के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नेताओं ने बढ़ती महंगाई, बिजली संकट, गैस की किल्लत और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अनूप बाजपेई ने कहा कि रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिलने से आम लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि आंधी तूफान के बाद कई क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था अब तक पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी है।कर्मचारियों की कमी से समस्या और बढ़ रही है। जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने कहा कि महंगाई की वजह से आम आदमी आर्थिक संकट झेल रहा है। उन्होंने नीट परीक्षा मामले को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि परीक्षा गड़बड़ी से छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। धरना को कांग्रेसी नेता सुरेंद्र शर्मा, पूर्व विधायक अशोक सिंह, विधानसभा प्रभारी संतोष त्रिवेदी, संजय सिंह और महेश प्रसाद शर्मा समेत कई नेताओं ने संबोधित किया। संचालन जिला सचिव कामता प्रसाद गौड़ ने किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, आकर्षक द्विवेदी, कमल सिंह चौहान, प्रतीक शर्मा, पदमधर सिंह, मदन कुमार, राजकुमार समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लालगंज में राहुल गांधी का महिलाओं से संवाद आज

● स्वागत को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी मंगलवार को लालगंज पहुंचेंगे। यहां वह रायबरेली रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में महिलाओं से संवाद करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।जानकारी के अनुसार राहुल गांधी पहले खीरो क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह लालगंज पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर नगर में कई स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम तय किए गए हैं। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक बृजेंद्र नगर मोहल्ला, बेहटा चौराहा, बाईपास रोड और नगर पंचायत कार्यालय के सामने कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता गांधी चौराहा में सांसद का स्वागत करेंगे। सोमवार को कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मंच व्यवस्था, सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था और स्वागत कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। विधानसभा प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, लाल असीकरण सिंह, संतोष त्रिवेदी, महेश प्रसाद शर्मा और कामता प्रसाद गौड़ समेत कई नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का रायबरेली से विशेष जुड़ाव है और कार्यकर्ता उनके स्वागत को लेकर पूरी तरह तैयार हैं।कार्यक्रम को लेकर शहर में राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर जुटने की तैयारी में हैं।

तीसरे दिन वृत्रासुर वध एवं पिप्पलाद चरित्र का वर्णण, और तीर्थ की हुई माह आरती

मिश्रिख, सीतापुर- पावन धार्मिक नगरी मिश्रिख तीर्थ स्थित दधीचि कुंड में चल रही भव्य महर्षि दधीचि कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण किया। कथा व्यास पंडित कृष्ण गोपाल राहुल जी महाराज ने अपने मुखारविंद से वृत्रासुर वध, पिप्पलाद जी के जन्म, विवाह एवं उनके वंश का विस्तृत वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा व्यास ने बताया कि महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपनी अस्थियों का दान देकर देवताओं को शक्ति प्रदान की, जिसके माध्यम से वृत्रासुर का वध संभव हो सका। उन्होंने पिप्पलाद ऋषि के तप, त्याग और धर्ममय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में ऋषियों का योगदान अतुलनीय रहा है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। पंडाल में 'हर-हर महादेव' और 'दधीचि महाराज की जय' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कथा के समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।उसके बाद दधीचि कुंड की महाआरती का आयोजन किया गया।तीर्थ को खूब सजाया गया और बड़े धूम धाम के साथ मुख्य यजमान सहित सभी नगर वासियों ने मिलकर के महाआरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

संगठनात्मक फैसले के विरोध में शिक्षकों की बैठक

● जिला उपाध्यक्ष के इस्तीफे पर जताया समर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित प्रसिद्ध बाल्हेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के जिला अध्यक्ष के फैसले के विरोध में बड़ी संख्या में शिक्षक एकजुट हुए। शिक्षकों ने जिला उपाध्यक्ष निशांत पांडेय के इस्तीफे पर भी चर्चा की और उनके संगठन के प्रति योगदान की सराहना की। संगठन से जुड़े शिक्षकों ने बताया कि जिला अध्यक्ष द्वारा बिना पूर्व सूचना डलमऊ ब्लॉक अध्यक्ष को हटाते हुए पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी गई थी। इस फैसले से संगठन से जुड़े शिक्षक नाराज चल रहे थे। इसी मुद्दे को लेकर शिक्षक नेता मनोज पांडेय की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि निशांत पांडेय की सक्रियता और स्पष्टवादिता से संगठन को मजबूती मिली है। शिक्षक हितों के लिए उनकी भूमिका हमेशा सराहनीय रही है। मनोज पांडेय ने कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षकों की मौजूदगी यह साबित करती है कि संगठन में सक्रिय लोगों का सम्मान आज भी बना हुआ है।

इससे पदाधिकारियों को काम करने की ताकत मिलती है। बृजेश वाजपेई ने कहा कि संगठन में सक्रिय लोगों को शिक्षक आज भी पसंद करते हैं। प्रदीप सिंह ने शिक्षक पात्रता परीक्षा से जुड़े फैसले शिक्षकों के पक्ष में आने की कामना की। उन्होंने शिक्षकों से एकजुट रहने की अपील भी की। राजेंद्र शुक्ल ने सभी से संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने की बात कही। योगेश सिंह ने कहा कि शिक्षकों का समर्थन उनके लिए हमेशा प्रेरणा रहेगा और वह हर समय शिक्षकों की सेवा के लिए तैयार रहेंगे। बैठक में शिक्षकों ने एक स्वर में कहा कि वे सम्मान, स्वाभिमान और न्यायपूर्ण विचारधारा के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। इस मौके पर राजेश सिंह, शैलेंद्र कुमार यादव, दीपक कुमार मिश्रा, अक्षय दीक्षित, जयकरन सिंह, प्रमोद शुक्ला, अवध किशोर मिश्रा, धर्मेश कुमार, अवनीश श्रीवास्तव, सुनील कुमार यादव, मोहित मिश्रा, निशांत पांडेय, प्रतिमा दीक्षित, शकुंतला रजक, संध्या सिंह, मधु सिंह, रश्मि यादव, शालिनी राहुल सिंह, अनीता सिंह, पंकज कुमार, विजय कुमार, अंकित पटेल, मानस चौधरी, अमित त्रिपाठी, इमरान अहमद समेत सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण कोसुचित किया जाता है कि मेरा नाम रामावती पत्नी स्वर्गीय श्री शिव बहादुर निवासी ग्राम व पोस्ट बहुवननिवासी ग्राम व पोस्ट बहुवन मदार माझा परगना ग्वारिच तहसील कर्नलगंज थाना परसपुर जिला गोण्डा की निवासी हूँ मेरे पति श्री शिवबहादुर पुत्र श्री चंदी निवासी ग्राम व पोस्ट बहुवन मदार माझा परगना ग्वारिच तहसील कर्नलगंज थाना परसपुर जिला गोण्डा ने अपने नाम से LIC मे जीवन बीमा पॉलिसी नम्बर -173411169 दिनाँक 28-05-2022 को कराया था। जिसमे उन्होंने गांव घर में पुकारा जाने वाला मेरा नाम केवलपता पत्नी शिवबहादुर नोमिनी के रूप डलवा दिया था जबकि अभिलेखीय दस्तावेजो मे मेरा नाम रामवती पत्नी शिवबहादुर है। , मेरे पति की मृत्यु दिनाक, 23-12-2022 को हो गयी है, नोमिनी के नाम मे त्रुटि होने की वजह से बीमा की धनराशि मुझे नहीं मिल पा रही है, जबकि केवलपता पत्नी शिवबहादुर व रामवती पत्नी शिवबहादुर एक ही व्यक्ति का का नाम है द्य उपरोक्त दोनों नामो से मुझे जाना पहचाना जाता है मेरे शिवाय मेरे ग्राम पंचायत में और कोई दूसरा ब्यक्ति इस नाम का नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, MOHD AHMED RAZA सुपुत्र MOHD NATHUNI ANSARI, निवासीः प्लॉट-30A, फैजुल्लाहगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, सूचित करता हूँ कि मेरी 10वीं/12वीं की अंकतालिका में त्रुटि के कारण, AKTU B.Pharm के रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम गलत रूप से 'MOHAMMAD NATHUNI' दर्ज हो गया था। चूंकि अब इसे 10वीं/12वीं की अंकतालिका में सुधार कर 'MOHD NATHUNI ANSARI' कर दिया गया है, अतः मेरे विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में भी उनका नाम बदलकर सही नाम 'MOHD NATHUNI ANSARI' दर्ज किया जाए।

लेखपाल मुख्य परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ व अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा 21 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को आयोजित की जाने वाली लेखपाल मुख्य परीक्षा (प्रा0 अ0 प0-2025)/01 की परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट/ स्टैटिक मजिस्ट्रेट/ केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेपर की गोपनीयता, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, बिजली, पेयजल, स्वच्छता व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा 21 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को पूर्वान्ह 10:00 बजे से अपरान्ह 12:00 बजे तक जनपद रायबरेली के 10 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी, जिसमें कुल 3648 अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा को शुचितापूर्ण, सकुशल सम्पन्न कराने हेतु उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के निर्देश पुस्तिका के अनुरूप प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ससमय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी0सी0 टी0वी0 कन्ट्रोल रूम इत्यादि का निरीक्षण करेंगे। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त तैनात

स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक रायबरेली परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर लें यदि किसी परीक्षा केन्द्र पर निर्देश पुस्तिका के अनुरूप व्यवस्थापन में कोई कमी परिलक्षित होती है तो केन्द्र व्यवस्थापक के ससमय पूर्ण करा लें, समस्त तैनात अधिकारी/ कर्मचारी आपस में समन्वय स्थापित कर प्रश्नगत परीक्षा को शुचितापूर्ण, सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

खाद वितरण में धांधली का आरोप, किसान ने लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर- स्थानीय तहसील के विकास खंड पहला क्षेत्र से यूरिया वितरण में हेराफेरी का एक गंभीर मामला सामने आया है। क्षेत्र के दमुवापुर मजरा खमरिया के रहने वाले किसान दिलीप कुमार ने सरकारी खाद केंद्र के कर्मचारी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए सूबे के मुखिया को शिकायती पत्र भेजा है। पीड़ित ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी कर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। किसान दिलीप कुमार के मुताबिक, उन्होंने बीते 29 अप्रैल को सिकंदराबाद स्थित इफको कृषक सेवा केंद्र से अपने आधार कार्ड के जरिए ?450 में एक बोरी यूरिया खरीदी थी। आरोप है कि केंद्र पर तैनात कर्मचारी ने उनके खाते (आईडी) का दुरुपयोग करते हुए रिकॉर्ड में एक के बजाय दो बोरी यूरिया का आवंटन दर्ज कर दिया। किसान को सिर्फ एक बोरी खाद दी गई, जबकि दूसरी बोरी का गबन कर उसे ऊंचे दामों पर किसी बाहरी व्यक्ति को ब्लैक में बेच दिया। इस जालसाजी का भंडाफोड़ तब हुआ जब किसान 16 मई को दोबारा भुडकुडा स्टोर पर खाद लेने पहुंचा। वहां मौजूद सचिव ने जैसे ही किसान का रिकॉर्ड चेक किया, तो पता चला कि उनके नाम पर पहले ही दो बोरी यूरिया निकाली जा चुकी है। नियमों का हवाला देते हुए सचिव ने उन्हें और खाद देने से साफ मना कर दिया। परेशान किसान ने अब मुख्यमंत्री पोर्टल के जरिए इस भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का कहना है कि गरीब किसानों के हक पर डाका डालने वाले ऐसे कर्मचारियों की वजह से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बट्टा लग रहा है, इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच होनी बेहद जरूरी है।

अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज निंदनीय : लॉयर्स एसोसिएशन

मिश्रिख, सीतापुर- मिश्रिख लॉयर्स एसोसिएशन द्वारा लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैंबर बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए तोड़े जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मिश्रिख अभिनव यादव के माध्यम से प्रेषित किया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि चैंबर हटाए जाने से प्रभावित अधिवक्ताओं के लिए शीघ्र नए चैंबर भवन का निर्माण कराया जाए। साथ ही लाठीचार्ज में घायल अधिवक्ताओं को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। अधिवक्ताओं ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के चैंबर तोड़ा जाना अन्यायपूर्ण है और अधिवक्ताओं के सम्मान व अधिकारों के खिलाफ है। प्रदर्शन में अधिवक्ता बृजलाल चौधरी, सुधीर शुक्ल राना, अकरम खान, नरेंद्र प्रताप सिंह, सौरभ सक्सेना, भास्कर पाण्डेय, गौरव वाजपेयी, सुनील त्रिपाठी, ठाकुर प्रसाद अर्कवंशी, रजनीश कुमार, प्रेम प्रकाश राजवंशी, पुष्पेंद्र गुप्ता, सुनील प्रताप सिंह, जलालुद्दीन, अमीर अहमद, गोविंद प्रसाद राजवंशी, अरविन्द कुमार, कपिल मुनि, मलखान सिंह सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बिजली विभाग का मेगा कैंप आयोजित, डेढ़ लाख रुपयों का राजस्व जमा

● शिविर में हुआ उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PPCL) के तत्वावधान में सोमवार को रेउसा कस्बे में उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए एक विशेष मेगा कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप प्रबंध निदेशक, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। कैंप प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक लगाया गया जिसमें भारी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ताओं ने भाग लिया। कैंप में स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों, बिजली बिलों में त्रुटियां, नये बिजली कनेक्शन, नाम परिवर्तन, विद्युत भार (लोड) बढ़वाने तथा मोबाइल नंबर एवं केवाईसी सहित विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। मेगा कैंप के दौरान 18 गलत बिजली बिलों को सही किया गया तथा 02 उपभोक्ताओं के विद्युत भार में वृद्धि की गई। उपभोक्ताओं के अनुरोध पर पुराने मीटरों को हटाकर नये स्मार्ट मीटर लगाये गये। कई शिकायतों का भी मौके पर निस्तारण किया गया।कैंप में कुल 25 उपभोक्ताओं द्वारा एक लाख पचास हजार रुपया बकाया विद्युत बिल भी जमा किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी पुरुषोत्तम कुमार एवं अवर अभियंता वीरेंद्र यादव तथा बड़े बाबू दिलीप कुमार बघेल ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना और उनका संतोषजनक समाधान कराया।विद्युत विभाग द्वारा भविष्य में भी उपभोक्ता हित में इस प्रकार के विशेष शिविर आयोजित किये जाने की बात कही गई है।

बंगाल हिंसा को लेकर मायावती ने जताई चिंता, केंद्र व राज्य सरकारों को दी जरूरी मुद्दों पर ध्यान देने की नसीहत

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बंगाल में चुनाव बाद हो रही हिंसा पर चिंता जताई है। बसपा प्रमुख ने कहा है कि हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद सरकारों को इसके प्रति सतर्क व अराजकता के विरुद्ध सख्त हो जाना चाहिए, ताकि उन पर संकीर्ण राजनीति, धार्मिक भेदभाव, जातीय द्वेष व पक्षपात आदि का दोष लगे। सोमवार को एक्स पर मायावती ने लिखा, सभी सरकारों को देश के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक हालात व समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि विध्वंसकारी छवि आदि के माध्यम से लोगों का ध्यान उन मुद्दों से बांटने का प्रयास करना चाहिए। इससे संकट और बढ़ेगा। उन्होंने लिखा कि दुनिया भर में भारत की मानवतावादी पहचान डॉ. भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान के कारण है, जो धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है। केंद्र व सभी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसा कुछ न होने दें, जिससे भारत सरकार से इसके बारे अप्रिय सवाल हों। स्थापित नियम-कानूनों के अनुपालन या किसी नये कानून का अनुपालन सभी धर्मों के लोगों पर एक समान रूप में होना चाहिए, जिससे सरकारों की संवैधानिक प्रतिष्ठा प्रभावित न हो।

महमूदाबाद की बेटी ने अमेरिका में लहराया परचम

● मेरिट सूची में हासिल किया सर्वोच्च स्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर- महमूदाबाद के प्रतिष्ठित सेठ राम गुलाम पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस परिवार से जुड़ीं कु. अनिका वर्मा ने सात समंदर पार अपनी अद्वितीय प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, अनिका ने अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, लॉस एंजिल्स (UCLA) से 'एमएस कंप्यूटर साइंस' की डिग्री प्राप्त की है। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की उच्च मेरिट सूची में स्थान बनाकर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया। उनकी इस असाधारण और ऐतिहासिक उपलब्धि पर कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। अनिका की इस वैश्विक सफलता की खबर मिलते ही उनके परिवार सहित पूरे महमूदाबाद क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गयी है। गौरतलब है कि महमूदाबाद का 'सेठ राम गुलाम पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने और सामाजिक सरोकारों के लिए जाना जाता है। इस ग्रुप के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थान, तकनीकी संस्थाएं संचालित हो रहे हैं, जो क्षेत्र के विकास में निरंतर अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे है।

अनिका वर्मा, सेठ राम गुलाम पटेल के ज्येष्ठ सुपुत्र व विख्यात सरकारी ठेकेदार स्वर्गीय मुनेश्वर प्रसाद की नातिन तथा रामा कृष्णा मैरिज लॉन के संचालक कृष्ण कुमार की भांजी हैं। अपनी लाडली की इस वैश्विक कामयाबी से ननिहाल पक्ष के नरेश चंद्र, डॉ. हरीश चंद्रा, इंजीनियर राहुल और इंजीनियर क्षितिज चंद्रा सहित पूरे परिवार

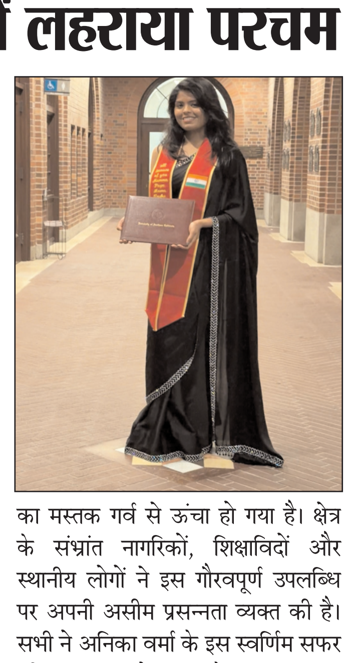

का मस्तक गर्व से ऊंचा हो गया है। क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, शिक्षाविदों और स्थानीय लोगों ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर अपनी असीम प्रसन्नता व्यक्त की है। सभी ने अनिका वर्मा के इस स्वर्णिम सफर की सराहना करते हुए उनके सुखद, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

संक्षिप्त खबरें

गोपालगंज में जनता दल (यू०) पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर और मजबूत बनाएं- प्रमोद कुमार पटेल

गोपालगंज (बिहार)-गोपालगंज में सत्तारूढ़ दल जनता दल यूनाइटेड पार्टी संगठन को कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मजबूत और धारदार बनाएं गोपालगंज जिला जनता दल यूनाइटेड पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने आज बरौली विधानसभा क्षेत्र के दानापुर में जनता दल यूनाइटेड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इबरार खाँ के साथ बैठक कर कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने कहा कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में एनडीए की सरकार मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चल रही है, वही एक सवाल के जवाब में जिला अध्यक्ष ने कहां की बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी समर्पित ईमानदार ,जुझारू,एठं पुराने कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनाया जाएगा ! अगर दलीय आधार पर चुनाव हुआ तो पार्टी हर स्तर पर कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ायेगी वहीं श्री पटेल ने कहा कि बहुत जल्द गोपालगंज जिला में जनता दल यूनाइटेड का बूथ स्तर से लेकर पंचायत, प्रखंड, और जिला स्तर पर संगठन का विस्तार होगा और नई कमेटी का गठन होगा जिसकी सूची जारी की जाएगी ! बैठक में जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष इबरार खान, एजाज आलम, मुस्ताक खान, अरमान अली, मोइनुद्दीन अंसारी, मुस्लिम अंसारी, नूरुद्दीन खान, मोहम्मद खान, राजू खान, बाबूलाल साह ,छोटेलाल शाह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे !

दिल्ली पुलिस ने जहरा गैंग के एक्टिव शूटर को गिरफ्तार किया, पिस्टल और कारतूस बरामद

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (नॉर्दर्न रेंज) और एसटीएफ की टीम ने जहरा गैंग के एक्टिव शूटर चिराग उर्फ सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक सोफिस्टिकेटेड पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी चिराग उर्फ सचिन (22 वर्ष) सोनीपत के खरखौदा थानाक्षेत्र का रहने वाला है। वह दुबई से ऑपरेट कर रहे गैंगस्टर नवीन दबास उर्फ जोरा का एक्टिव शूटर बताया जा रहा है। 5 मई, 2026 को जोरा के निर्देश पर चिराग उर्फ सचिन, मोहित उर्फ चांद और जतिन ने झज्जर के एक मेडिकल स्टोर पर फायरिंग कर एक्सटॉर्शन की कोशिश की थी। इसके बाद जोरा ने खुद फोन पर दुकान मालिक को धमकाया था। इस मामले में झज्जर के सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, जानकारी के आधार पर स्पेशल सेल/नॉर्दर्न रेंज की टीम ने 12 मई को रोहिणी इलाके में छापेमारी कर चिराग उर्फ सचिन को गिरफ्तार किया। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर मंदीप और जयबीर ने किया, जबकि पूरे ऑपरेशन की निगरानी एसीपी राहुल कुमार सिंह ने की। पूछताछ में पता चला कि आरोपी 10वीं तक पढ़ा है और पहले खरखौदा में एक जनरल स्टोर पर काम करता था। उसके दोस्त मोहित उर्फ चांद के माध्यम से सोशल मीडिया पर जोरा से उसका संपर्क हुआ। मोहित और जतिन को हरियाणा पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि चिराग फरार था और जोरा के संपर्क में था।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के समय आरोपित के पास से एक पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस अब आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश फोगाट की याचिका पर WFI को जारी किया नोटिस, तत्काल राहत देने से कोर्ट का इनकार

● दिल्ली हाईकोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) को नोटिस जारी किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई द्वारा उन्हें जारी किए गए शो-कॉज नोटिस और आगामी खेलों के लिए ट्रायल में अपना नाम शामिल न करने के फैसले को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने तत्काल कोई राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने इस मामले को 6 जुलाई को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है।विनेश फोगाट इस फैसले के खिलाफ अदालत पहुंची थीं। डब्ल्यूएफआई को नोटिस मिलने के बाद अब उसका जवाब आने के बाद ही मामले की आगे की कार्यवाही होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर कोई आदेश देने से पहले वह डब्ल्यूएफआई की चयन नीति का परीक्षण करेगा। 14 मई को विनेश फोगाट ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने डब्ल्यूएफआई के साथ चल रहे विवाद के बीच राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया से अपना नाम बाहर किए जाने को चुनौती दी है। पिछले सप्ताह विनेश उत्तर प्रदेश के गोंडा में नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में अपनी वापसी के लिए पहुंची थीं, लेकिन डब्ल्यूएफआई ने उन्हें पहले शो-कॉज नोटिस का जवाब देने को कहा। इसके बाद निराश विनेश अदालत पहुंचीं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विनेश फोगाट से शो-कॉज नोटिस का जवाब देने को कहा। कोर्ट ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई की योग्यता और ट्रायल संबंधी नियमों का अध्ययन करने के बाद ही यह फैसला लेगा कि विनेश को आगामी चयन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी जाए या नहीं। यह मामला डब्ल्यूएफआई और भारत की सबसे सफल पहलवानों में शामिल विनेश फोगाट के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव की नई कड़ी है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक के

बाद रिटायरमेंट लेने के कुछ महीनों बाद ही वापसी की घोषणा की थी। डब्ल्यूएफआई का कहना है कि विनेश ने फेडरेशन के संविधान और यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों का उल्लंघन किया है, इसलिए जब तक वे शो-कॉज नोटिस का जवाब नहीं देतीं, उन्हें प्रतिस्पर्धा का मौका नहीं दिया जा सकता। वहीं, विनेश का पक्ष है कि इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) के अनुसार वे खेलने के योग्य हैं। इस विवाद ने कुश्ती जगत में राय बांट दी है। एक समूह ने हाईकोर्ट में दखल देते हुए कहा है कि विनेश को सीधा राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए, उन्हें भी अन्य पहलवानों की तरह क्वालीफाई प्रक्रिया से गुजरना चाहिए। वहीं ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विनेश का समर्थन किया है।

AAP नेता दीपक सिंगला को आज ही कोर्ट में पेश करेगी ईडी, 100 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में किया गिरफ्तार

दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम ने 100 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज सोमवार को आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता दीपक सिंगला के ठिकानों पर छापामारी की। इस कार्रवाई के बाद ईडी की टीम ने आप नेता दीपक सिंगला को गिरफ्तार भी कर लिया। अब खबर है कि टीम आज ही दीपक सिंगला को दिल्ली की स्थानीय कोर्ट में पेश करेगी।

दीपक सिंगला को लेकर चंडीगढ़ लेकर जाएगी ईडी

इसके बाद ईडी की टीम आरोपी दीपक सिंगला को ट्रांजिट रिमांड लेकर फिर चंडीगढ़ जाएगी। जहां मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित ईडी की विशेष कोर्ट में दीपर सिंगला को पेश किया जाएगा।

दिल्ली-गोवा समेत कई ठिकानों पर हुई छापामारी

बता दें कि ईडी की टीम ने आज आप नेता दीपक सिंगला के दिल्ली और गोवा समेत कई ठिकानों पर छापामारी की। रेड की कार्रवाई के दौरान टीम ने किसी को भी घर से अंदर या बाहर नहीं जाने दिया।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान ने सऊदी में JF-17 और हजारों सैनिक किए तैनात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। पाकिस्तान ने एक आपसी रक्षा समझौते के तहत सऊदी अरब में 8,000 सैनिक, लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन और डिफेंस सिस्टम को तैनात किया है। पाकिस्तान रियाद के साथ अपने सैन्य सहयोग को और बढ़ा रहा है, जबकि दूसरी ओर वह ईरान युद्ध में मुख्य मध्यस्थ की भूमिका भी निभा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तैनाती की पूरी जानकारी, जो कि पहली बार सामने आई है, इसकी पुष्टि तीन सुरक्षा अधिकारियों और दो सरकारी सूत्रों ने की है। इन सभी ने इसे एक महत्वपूर्ण और युद्ध-सक्षम बल बताया है, जिसका उद्देश्य सऊदी अरब की सेना को तब सहायता देना है, जब उस पर कोई और हमला होता है।

सऊदी अरब में तैनात पाकिस्तानी सेना

पाकिस्तान की सेना, विदेश मंत्रालय और सऊदी अरब के सरकारी मीडिया कार्यालय ने इस तैनाती पर कोई जवाब नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने करीब 16 विमानों का एक पूरा स्क्वाड्रन तैनात किया है, जिनमें से ज्यादातर JF-17 लड़ाकू विमान हैं जिन्हें चीन के साथ मिलकर बनाया गया है।

इन लड़ाकू विमानों को अप्रैल की शुरुआत में सऊदी अरब भेजा गया था। दो सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने ड्रोन के दो स्क्वाड्रन भी भेजे हैं। सभी पांचों सूत्रों ने कहा कि इस तैनाती में लगभग 8,000 सैनिक शामिल हैं और जरूरत पड़ने पर और सैनिक भेजने का वादा भी किया गया है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पिछले साल 2025 में एक समझौता हुआ था, जिसके तहत किसी भी हमले की स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे की रक्षा के लिए आगे आएंगे। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहले भी इस बात का संकेत दिया था कि इस समझौते के तहत सऊदी अरब पाकिस्तान की 'परमाणु सुरक्षा छतरी' के दायरे में आ जाता है।

काछारः कार्यपालक अभियंता ने बेतुकांदी और रंगीरखाल क्षेत्र में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

● जल संसाधन विभाग का निरीक्षण अभियान, नाले की सफाई और जल निकासी सुधार पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम के काछार/सिलचरः जल संसाधन विभाग, काछार के कार्यपालक अभियंता ने बेतुकांदी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने रंगीरखाल क्षेत्र, जो सनलाइट अस्पताल के निकट स्थित है, में नाले की सफाई कार्य की भी समीक्षा की। ठुनिरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य में तेजी लाने के आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यपालक अभियंता ने स्पष्ट किया कि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा क्षेत्र में जलभराव की समस्या से

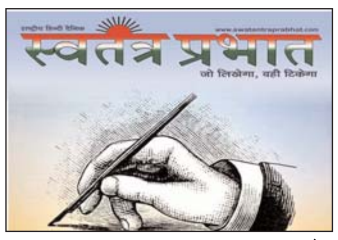

निपटने के लिए कार्य को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय लोगों ने भी नाले की सफाई एवं विकास कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है, जिससे बरसात के मौसम में होने वाली समस्याओं से राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यह समस्या हर वर्ष उत्पन्न होती है, इसलिए सरकार और प्रशासन को इस पर और अधिक गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। लोगों ने आशा जताई कि इस बार किए जा रहे प्रयासों से स्थिति में सुधार आएगा और भविष्य में जलभराव की समस्या काफी हद तक कम होगी। साथ ही, लोगों ने सरकार की इस पहल की सराहना भी की।

BSc के लास्ट सेमेस्टर के आखिरी एग्जाम से पहले छात्र की मौत, घर से टहलने निकला था रोहित

दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में किशनगढ़ थाना क्षेत्र स्थित अरुणा आसफ अली रोड पर रविवार दर्दनाक हादसा हुआ। किशनगढ़ गांव की ओर होर्डिंग के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बीएससी छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहित के रूप में हुई है। पिता राधे के मुताबिक, रविवार रात तकरीबन आठ बजे वह संजय वन पार्क से टहल कर वापस घर लौट रहा था। अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। किशनगढ़ थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पिता के मुताबिक, उसके अंतिम वर्ष का आखिरी पेपर एक जून को होने वाला था, पर उससे पहले ही यह हादसा हो गया।

पंजाब किंग्स के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल; आखिरी मैच में जीत जरूरी

● दूसरी टीमों के नतीजे भी बिगाड़ सकते खेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। आईपीएल-2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स की टीम अब प्लेऑफ की दौड़ में बेहद मुश्किल स्थिति में पहुंच गई है। सीजन के शुरुआती मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते पंजाब ने लगातार छह जीत दर्ज की थी। इसके बाद टीम के प्रदर्शन में ऐसी गिरावट आई कि उन्होंने लगातार छह मुकाबले गवां दिए। रविवार को आरसीबी ने भी पंजाब किंग्स को 23 रनों से मात दे दी। अब स्थिति यह है कि पंजाब को न सिर्फ अपना आखिरी लीग मैच जीतना होगा, बल्कि दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। पंजाब का अंतिम मुकाबला 23 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेला जाना है। इस मैच में जीत टीम के लिए किसी भी हालत में जरूरी होगी। हार की स्थिति में पंजाब का सफर लीग चरण में ही समाप्त हो सकता है। अब पंजाब किंग्स को राजस्थान रॉयल्स, केकेआर, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैचों पर भी नजर रखनी होगी।

गेंदबाजी और फील्डिंग बनी चिंता

टीम की सबसे बड़ी चिंता लगातार कमजोर होती बल्लेबाजी और डेथ ओवरों में खराब गेंदबाजी रही है। शुरुआती मैचों में जिस आक्रामक अंदाज ने पंजाब को जीत दिलाई, वही प्रदर्शन पिछले मुकाबलों में नजर नहीं आया। टीम की फील्डिंग भी काफी खराब रही है। पंजाब के खिलाड़ियों ने कई आसान कैच भी छोड़े हैं।

प्लेऑफ के आखिरी दो मैच न्यू चंडीगढ़ में

आईपीएल के प्लेआफ के आखिरी दो मुकाबले न्यू चंडीगढ़ में खेले जाने हैं। ऐसे में पंजाब किंग्स के सामने अपने घरेलू दर्शकों के बीच खेलने का सुनहरा मौका है, लेकिन इसके लिए टीम को पहले लीग चरण की अंतिम बाधा पार करनी होगी। अब सबकी नजर 23 मई के मुकाबले और अन्य टीमों के परिणामों पर टिकी हुई है। पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा बन चुका है।

ग्लोबल धमाके को तैयार रामचरण की 'पेद्दी', भारत के साथ ही जापान में भी होगी रिलीज

● राम चरण की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पेद्दी' अब सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि जापान में भी एक साथ रिलीज होने जा रही है. फिल्म के ग्लोबल रिलीज प्लान और दमदार स्टारकास्ट ने फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ सुपरस्टार राम चरण की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पेद्दी' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है. फिल्म का हर अपडेट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और अब मेकर्स ने ऐसा ऐलान कर दिया है, जिसने इस क्रेज को और भी बढ़ा दिया है. दरअसल, 'पेद्दी' अब सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि जापान में भी उसी दिन रिलीज होगी, जिस दिन ये भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देगी. किसी तेलुगु फिल्म का इस तरह इंटरनेशनल लेवल पर एक साथ रिलीज होना अपने आप में बेहद खास माना जा रहा है। राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' को लेकर पहले से ही काफी बड़ा माहौल बना हुआ है. फिल्म ॠॠॠके बाद राम चरण की ग्लोबल फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हुआ है और जापान में भी उनकी पॉपुलैरिटी लगातार बढ़ती जा रही है. ऐसे में मेकर्स ने इस मौके का फायदा उठाते हुए 'पेद्दी' को जापानी दर्शकों तक भी उसी वक्त पहुंचाने का फैसला किया है. माना जा रहा है कि फिल्म का स्पोर्ट्स ड्रामा और दमदार एक्शन इंटरनेशनल ऑडियंस को भी काफी पसंद आ सकता है।

ट्रेलर हो गया रिलीज

'पेद्दी' को डायरेक्टर बुची बाबू सना ने बनाया है, जबकि फिल्म में राम चरण के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर नजर आने वाली हैं. इसके अलावा फिल्म में शिवा राजकुमार, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे दमदार कलाकार भी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो कि काफी कमाल का लग रहा है. फिल्म 4 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और अब जापान रिलीज की खबर ने फैंस की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है।

जापान रिलीज है खास

फिल्म के म्यूजिक की बात करें, तो उसे ऑस्कर विनर एआर रहमान ने तैयार किया है, जिसकी वजह से इसके गानों को लेकर भी अलग ही बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च और एडवांस बुकिंग को लेकर भी कई रिपोर्ट्स सामने आई, जिनमें बताया गया कि नॉर्थ अमेरिका में फिल्म की प्री-सेल्स शानदार रही हैं. वहीं हिंदी मार्केट में भी इसे 1000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज करने की तैयारी चल रही है. इससे साफ है कि मेकर्स 'पेद्दी' को एक पैन इंडिया ही नहीं, बल्कि ग्लोबल लेवल की फिल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

द्वारका में दो लड़कियों के शेयरिंग फ्लैट में पुरुष मेहमानों को लेकर विवाद, एक ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। राजधानी में रूम शेयर करके रहने वालों को यह खबर पढ़नी चाहिये। दो लड़कियां पहले हंसी-खुशी से एक फ्लैट किराये पर लेती हैं। उसके बाद खाने-पीने को लेकर बहस होने लगती है। जब मेहमानों का आना-जाना शुरू होता है तो विवाद थाने तक पहुंच जाता है। अब दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक,दिल्ली पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। महिला ने अपने रूममेट के पुरुष मेहमानों और रिश्तेदारों पर उसे धमकाने, उत्पीड़न करने और डराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाएं फरवरी से दिल्ली के द्वारका इलाके में एक एक-बेडरूम वाले किराए के फ्लैट को साझा कर रही थीं। विवाद तब शुरू हुआ जब रूममेट के परिवार के सदस्य साझा कमरे में आने लगे, जिसका शिकायतकर्ता महिला ने विरोध किया। इससे दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'दोनों तरफ

से कोई शारीरिक मारपीट नहीं हुई है। उचित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच चल रही है।' शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया कि हाल ही में उसकी रूममेट ने चार पुरुष मेहमानों को कमरे में बुलाया और उन्हें अपना कजिन बताया। उस समय रूममेट की ननद भी कमरे में मौजूद थी। महिला ने कहा कि उसे महिला मेहमानों के आने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसने पहले ही पुरुष मेहमानों के आने पर अपनी नाराजगी जताई थी। उसने आरोप लगाया कि उनमें से एक पुरुष जबरदस्ती कमरे में घुसा और फिर उसके साथ बदतमीजी की। साथ ही मेहमानों ने उसे धमकाया, जिससे डरकर उसे कमरे से भागना पड़ा। पुलिस के अनुसार, इससे पहले दोनों महिलाओं के बीच खाने-पानी को लेकर भी कई बार बहस हो चुकी थी।

दिल्ली में डीएम ऑफिस के पास नगर निगम के स्वीपिंग ट्रक में लगी आग, मची अफरा-तफरी

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में डीएम ऑफिस के पास नगर निगम की स्वीपिंग ट्रक में आग लग गई। वाहन में आग लगने से वहां अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि फायर टेंडर मौके पर नहीं पहुंचा। एमसीडी के सिंचाई वाहन ने पानी डालकर आग पर काबू पाया।

शिवराज मोटेगांवकर के पास परीक्षा से 10 दिन पहले पहुंच गया था NEET UG 2026 का पेपर

● दिल्ली की सीबीआई अदालत ने NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में रेणुकाई करियर सेंटर के फाउंडर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को 9 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने सोमवार को NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में रेणुकाई करियर सेंटर के फाउंडर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को 9 दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता ने सीबीआई की 10 दिन के रिमांड की मांग पर आरोपी को 9 दिन की कस्टोडियल पूछताछ की अनुमति दी। सीबीआई ने अदालत को बताया कि मोटेगांवकर को रविवार शाम लातूर से गिरफ्तार किया गया था। उसकी तलाशी के दौरान 3 मई को हुए परीक्षा के लीक हुए प्रश्न पत्र की कॉपी उनके पर्सनल मोबाइल फोन से बरामद हुई है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि मोटेगांवकर एक संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जिसने NEET-UG पेपर लीक करने और उसे फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीबीआई के अनुसार, 'उसके कोचिंग सेंटर के माध्यम से प्रश्न पत्र और उत्तरों का बड़े पैमाने पर प्रसार किया गया।' सीबीआई ने कहा कि आरोपी को 23 अप्रैल को ही परीक्षा से करीब 10 दिन पहले लीक हुआ प्रश्न पत्र और उत्तर प्राप्त हो गए थे। उसने कई लोगों को लीक पेपर की हैंडरिटन नोट्स दीं, जिन्हें परीक्षा के बाद नष्ट कर दिया गया था।

पीवी कुलकर्णी से तलाश रहे रिश्ता

एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि मोटेगांवकर का किंगपिन प्रह्लाद विठ्ठलराव कुलकर्णी से क्या संबंध था। सीबीआई ने इससे पहले केमिस्ट्री लेक्चरर पीवी कुलकर्णी और बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा गुरुनाथ मंढारे को गिरफ्तार किया था। दोनों एक महिला मनीषा वाघमारे के जरिए एक-दूसरे को जानते थे, जो फिलहाल

सीबीआई हिरासत में है।

सीबीआई खंगाल रही पूरा नेटवर्क

आरोप है कि इन दोनों लेक्चरर्स ने वाघमारे की मदद से NEET के छात्रों को परीक्षा से पहले स्पेशल सेशन्स के लिए जोड़ा था। मोटेगांवकर के वकील ने अदालत में दलील दी कि उनके मुवक्किल को हिरासत में भेजने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे 1999 से पढ़ा रहे हैं और सभी संबंधित सामग्री जब्त कर ली गई है। सीबीआई अब आरोपी से उसके नेटवर्क, अन्य लोगों के साथ संबंध और पेपर लीक की पूरी चेन की जांच कर रही है।

कैंसर रिसर्च में दिल्ली विश्वविद्यालय रचेगा नया इतिहास, जूलॉजी विभाग में स्थापित होगी विश्वस्तरीय 3D इमेजिंग फैसिलिटी

● दिल्ली विश्वविद्यालय का जूलॉजी विभाग अत्याधुनिक हाई-कंटेंट ऑटोमेटेड कन्फोकल इमेजिंग सिस्टम स्थापित कर कैंसर अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनेगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। डीयू का जूलाजी विभाग कैंसर अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। विभाग की मालिक्यूलर आन्कोलाजी लैब में जल्द ही एक अत्याधुनिक मशीन लगाई जाएगी, जिसकी मदद से वैज्ञानिक कैंसर कोशिकाओं को बहुत बारीकी से देख और समझ सकेंगे। इससे यह जानने में मदद मिलेगी कि कैंसर कैसे बढ़ता है और कौन-सी दवाएं उस पर बेहतर असर करती हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, लैब में हाई-कंटेंट आटोमेटेड कन्फोकल इमेजिंग, स्क्रीनिंग एंड एनालिसिस सिस्टम स्थापित किया जाएगा। सरल शब्दों में समझें तो यह एक ऐसी उन्नत मशीन है, जो कोशिकाओं की तस्वीरें लेकर उनका स्वत विश्लेषण करती है। इससे शोधकर्ताओं को कम समय में बड़ी संख्या में कोशिकाओं का अध्ययन करने में मदद मिलेगी।

एआइ की मदद से होगा तेज और सटीक विश्लेषण

इस प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग होगा। इनकी मदद से कंप्यूटर खुद यह पहचान सकेगा कि कोशिकाओं में क्या बदलाव हो रहे हैं। इससे वैज्ञानिक यह समझ पाएंगे कि किसी दवा का कैंसर कोशिकाओं पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। यह मशीन 2डी और 3डी सेल कल्चर दोनों पर काम करेगी। 3डी सेल कल्चर में कोशिकाएं उसी तरह विकसित होती हैं, जैसे वे शरीर के अंदर होती हैं। इसलिए इस तकनीक से मिलने वाले नतीजे अधिक सटीक माने जाते हैं।

एक पेटाबाइट स्टोरेज और हाईटेक वर्कस्टेशन

इस सिस्टम से बहुत बड़ी मात्रा में डेटा तैयार होगा। इसे सुरक्षित रखने के लिए कम से कम एक पेटाबाइट (1 पीबी) स्टोरेज की व्यवस्था की जाएगी। यह इतनी बड़ी क्षमता है कि इसमें लाखों उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें सुरक्षित रखी जा सकती हैं। इसके साथ दो शक्तिशाली कंप्यूटर वर्कस्टेशन भी लगाए जाएंगे।

ट्यूमर कोशिकाओं के अध्ययन के लिए अलग सुविधा

परियोजना के तहत 3डी ट्यूमर स्फेरोइड्स के अध्ययन के लिए विशेष सुविधा विकसित की जाएगी। इसमें हाइपोक्सिया इन्क्यूबेटर, बायोसेफ्टी कैबिनेट, -80 डिग्री सेल्सियस फ्रीजर और आधुनिक माइक्रोस्कोप जैसी सुविधाएं होंगी। इस परियोजना का नेतृत्व प्रो. आलोक चंद्र भारती कर रहे है। उन्होंने बताया कि योजना एम्स और जीटीबी अस्पताल के डाक्टर के साथ मिलकर की जा रही है। यह प्रोजेक्ट तीन साल का होगा। इस मशीन के आने से गले और मुंह के कैंसर की जल्दी जांच कर सकेंगे ।

यह योजना इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के फंड से की जा रही है। विश्वविद्यालय ने उपकरण उपलब्ध कराने वाली कंपनियों से 20 मई 2026 तक आवेदन मांगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुविधा शुरू होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय कैंसर अनुसंधान और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में देश के प्रमुख संस्थानों में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।